

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी केकड़ी जिला अजमेर (राजस्थान)

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या 9/2013(2013/00202)

1. गंगाराम पुत्र चन्द्रा रेगर निवासी भैरुगेट कोटा रोड केकड़ी

—प्रार्थी

बनाम

1. गुलाब पत्नि रामचन्द्र रेगर
2. मनभर पत्नि रूपा रेगर
3. सन्तोक पत्नि पोलू रेगर
निवासीगण भैरुगेट रेगरान मोहल्ला केकड़ी

—अप्रार्थीगण

उपस्थित:-

श्री हेमन्त जैन – वकील प्रार्थी
श्री कमलेश कासोटिया – वकील अप्रार्थीगण

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 251ए, राज. काश्तकारी अधिनियम

—:निर्णय:-

दिनांक 03/01/23

पत्रावली आज न्यायालय में पेश हुई वकील पक्षकारान उपस्थित हुये। प्रकरण में उपस्थित पक्षकारान को सुना गया संक्षेप में विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रार्थी ने एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 राज. काश्तकारी अधिनियम कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की खातेदारी की ग्राम/कस्बा केकड़ी तहसील केकड़ी में स्थित आराजीयात का विवरण निम्नानुसार है।

खाता संख्या नया-पुराना	खसरा नम्बर	श्रकबा	किस्म
343-305	2468	1.08	बरानी 1
	किता 1	रकबा 0.08 हैक्टर	

उक्त आराजीयात प्रार्थी के कब्जेकाश्त एवं खातेदारी की आराजीयात है जिस पर प्रार्थी काश्त करता आ रहा है। प्रार्थी की आराजी खसरानम्बर 2468 में पंहुच के प्रयोजन से खसरा नम्बर 2469 रकबा 1.17 हैक्टर में से नया रास्ता खुलवाये जाने का प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र में निवेदन किया है।

प्रकरण श्रवणाधिकार एवं क्षेत्राधिकार का होने से दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण ने जरिये अधिवक्ता जवाब प्रस्तुत किया जिसे शामिल पत्रावली किया गया। अप्रार्थीगण की ओर से प्राप्त जवाब अनुसार – वादग्रस्त आराजीयात में कोई रिकॉर्ड का रास्ता नहीं है। प्रार्थी अवैध रूप से रास्ता निकालना चाहते हैं और प्रार्थी ने यह वाद अप्रार्थीगण को हैरान व परेशान करने की नियत से किया है जो मय हर्ज खर्च के खारिज किये जाने योग्य है।

तहसीलदार केकड़ी से मौका रिपोर्ट प्राप्त की गई। प्राप्त मौका रिपोर्ट निम्नानुसार है-

1. प्रार्थनापत्र में वर्णित कस्बा केकड़ी की आराजी खसरा नम्बर 2468 प्रार्थी की खातेदारी एवं कब्जा काश्त की भूमि है।
2. प्रार्थी खसरा नम्बर 2469 की दक्षिणी मेड से विगत 7-8 वर्षों से आता जाता रहा है।
3. प्रार्थी के खेत के निकटतम दूरी का खसरा नम्बर 2463 अजमेर-कोटा उच्चमार्ग निकलता है
4. प्रार्थी को वर्तमान में अपने खेत में आवागमन हेतु रास्ता दिया जाना अत्यन्त आवश्यक है।



उपखण्ड अधिकारी
केकड़ी (अजमेर)

5. प्राथम पत्र में वर्णित सरत के अलावा मौका स्थिति अनुसार नजदीक एवं सुविधाजनक अन्य सरता नहीं है।
6. खरसा नम्बर 2469 की दक्षिण मेड पर 75 मीटर लम्बाई व 5 मीटर चौड़ाई यानी कुल 375 वर्ग मीटर प्रस्तावित सरत का क्षेत्रफल बनता है। उक्त खरसा नम्बर अजमेर कोटा मार्ग पर स्थित है जिसकी डी.एल.सी दर 1646568/- रुपये प्रति हैक्ट के दोगुना से प्रस्तावित 375 वर्ग मीटर सरता हेतु कुल राशि 123493/- रुपये बगती है।
7. प्रस्तावित सरता का नक्शा ट्रेस संलग्न है।

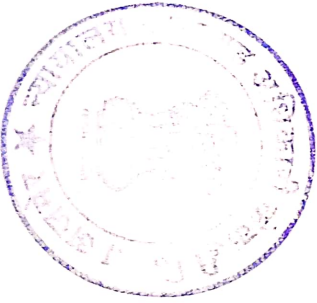
वरकता सुनवाई पक्षकारन को सुना गया। प्राथी अधिवक्ता ने प्राथना पत्र में वर्णित तथ्यों को दौडराया तथा निवेदन किया है कि प्राथी लगभग 7-8 वर्षों से खरसा नम्बर 2469 की दक्षिणी मेड से आता जाता रहा है, किन्तु खरसा नम्बर 2469 के खातादारान द्वारा झाड़िया लगाकर आवागमन बंद कर दिया है। अतः प्राथी का प्राथना पत्र रवीकार कर मौका रिपोर्ट में प्रस्तावित एवं प्राथी द्वारा प्राथनापत्र में वर्णित अनुसार प्राथी की आराजी पर आवागमन हेतु सरता दिलवाने हेतु निवेदन किया।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। प्राथी अधिवक्ता द्वारा वक्ता सुनवाई बताया गये तथ्यों एवं मौका रिपोर्ट पर गहनता से मनन किया। प्राथी की खातेदारी आराजी ग्राम केकड़ी के खरसा नंबर 2468 पर आने जाने हेतु खरसा नंबर 2469 की दक्षिणी मेड मेड पर 75 मीटर लम्बाई व 5 मीटर चौड़ाई कुल 375 वर्ग मीटर जिराकी वर्तमान डी.एल.सी रेट की दो गुना से प्रतिदर राशी 123493/- (एक लाख तेईस हजार चार सौ तिरानवे) रुपये बनते है, उक्त प्रस्तावित नजरी नक्शा में लाल रखाही से अंकन है निकटतम प्रतिित होता है अतः विवेचन के आधार अनुसार प्राथी का प्राथना पत्र अन्तर्गत धारा 251ए आर.टी.एक्ट का रवीकार किये जाने योग्य पाया जाता है।

—आदेश:—

प्राथी का प्राथना पत्र अन्तर्गत धारा 251ए आर.टी.एक्ट का रवीकार किया जाता है। प्राथी की आराजी करवा केकड़ी के खरसा नंबर 2468 रकबा 1.08 हैक्टर में आने जाने के लिए आराजी खरसा नंबर 2469 की दक्षिणी मेड पर होते हुए खरसा नंबर 2468 पर आ जा रहे है जिसमे खरसा नम्बर 2469 की की दो गुना से प्रतिदर राशी 123493/- (एक लाख तेईस हजार चार सौ तिरानवे) रूपये बनते है। अतः उक्त राशि जमा कराने पर मौका रिपोर्ट में लाल रखाही से प्रस्तावित अनुसार सिवायवक सार्वजनिक नै.मु. सरता दर्ज किये जाने का आदेश दिया जाता है तहसीलदार केकड़ी उक्त राशि प्राथी से वसूल कर अप्राथीगण को जर्ज सूचना पत्र जारी कर दिलवायी जावे। अप्राथीगण द्वारा राशि नहीं लिये जाने पर उक्त राशि नियमानुसार राजकोष में जमा करवायी जाकर करवा केकड़ी के खरसा संख्या 2468 में आवागमन हेतु सार्वजनिक नै.मु.सरता के रूप में दर्ज एवं तरगीम की कार्यवाही करे। खर्चा फरिकेन अपना-अपना वहन करे।

आदेस खुले न्यायालय में सुनाया गया।



उपखण्ड अधिकारी
केकड़ा (जिजमेर)